Title: Raised a series of cases of atrocities on women in the State of Rajasthan and requests to give a detailed statement in this regard.

श्रीमती उषा मीणा (सवाई माधोपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान २२.५.९८ को जयपुर में बहुचर्चित जे.सी. बेस छात्रावास कांड की पीड़ित युवती के साथ हुए बलात्कार की ओर दिलाना चाहती हूं। इसी लड़की के साथ पिछले सितम्बर, १९९७ में भी घटना घटी थी और अब फिर दोबारा २२ तारीख को हुई है। राजस्थान की कानून-व्यवस्था यह है कि बलात्कारी लोग खुले आम घूम रहे हैं। यह जो रेप केस हुआ है, फिल्मी स्टाइल में हुआ है। लड़की को उसके घर से उठाकर ले गए और वैन में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया और बलात्कारियों ने नकाब पहना हुआ था। जो रेप में शामिल हैं, राजस्थान सरकार इस बारे में कुछ नहीं कर रही है। इस लड़की के साथ एक साल में दो बार रेप किया गया। इससे शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है। महोदय, इसी से संबंधित मैं कुछ बिन्दुओं पर और आपका ध्यान दिलाना चाहती हूं। राजस्थान की कानून व्यवस्था बिल्कुल बिगड़ गई है। हम महिलाओं को इस बारे में इस सदन में बोलने से भी शर्म आ रही है कि देश में महिलाओं की स्थिति किस प्रकार की हो रही है। मैं आपको बताना चाहती हूं कि राजस्थान में सिर्फ यही एक कांड नहीं हुआ है, इसके अलावा भंवरी देवी कांड, शिवानी जडेजा कांड, शालिनी शर्मा और शालिनी तंवर जैसे भी कांड हो चुके हैं। इन कांडों में राजस्थान के मंत्रियों के बेटे शामिल हैं।

जहां तक मेरे निर्वाचन क्षेत्र का सवाल है, करोली क्षेत्र में २० तारीख को कैलादेवी स्थान मे माली जाति की महिला के साथ रेप केस हुआ है और इसमें विधायक भी शामिल है। इस ओर भी केन्द्र सरकार का ध्यान जाना चाहिए, जहां तक मेरी जानकारी है, इस केस में न सिर्फ विधायक शामिल है, बल्कि वहां के सरपंच भी शामिल हैं।

श्वहां के जिला परिषद के सदस्य भी शामिल हैं। जो जनता को न्याय देने वाले जनप्रतिनिधि हैं वे भी रेप केस में शामिल हैं। राजस्थान सरकार इस बारे में क्या कर रही है? केन्द्र सरकार का ध्यान राजस्थान की कानून-व्यवस्था की तरफ होना चाहिए। मैं आपको कुछ उदाहरण देना चाहती हूं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have already mentioned the important points. Please take your seat now.

">

डॉ. प्रभा ठाकुर (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, उधर से कुछ आवाजें आ रही हैं, मैं भी इस मसले पर कुछ कहना चाहती हूं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have given chance to the lady Members, not to the male Members. Please take your seat.

... (व्यवधान)

श्रीमती उषा मीणा : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी एक बात और सुन लीजिए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यदि कई माननीय सदस्य एक साथ बोलेंगे तो किसी की बात सुनाई नहीं देगी।

... (व्यवधान)

श्रीमती उषा मीणा : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको कोटा का एक उदाहरण देती हूं। वहां एक लड़की का अपहरण किया और अपहरण करने के बाद उसका बलात्कार करके उस लड़की की हत्या कर दी गई।

MR. SPEAKER: This will not go on record.

(Interruptions)*

12.13 hrs

At this stage Mrs. Usha Meena and some other

Members came and stood near the Table

MR. SPEAKER: Please go to your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please go to your seats.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इंदौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय पर इतना ही कहना चाहूंगी।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, you are wasting the time of the House. You are unnecessarily doing like this a number of times. You must know the procedure of the House also.

... (Interruptions)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Madam, please take your seat.

... (व्यवधान)

श्रीमती सुमित्रा महाजन : अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है। ... (व्यवधान)

">SHRI SHARAD PAWAR (BARAMATI): Mr. Speaker, Sir, Shrimati Usha Meena and Shrimati Prabha Thakur are my colleagues from Rajasthan and the issue raised by them is very grave and important.

There are a series of cases of atrocities on women in the State of Rajasthan. I do not want to discuss the nature of the atrocities. But there are a number of reports in the newspapers and all these Members of Parliament are also trying to explain here that a lot of responsible and important people are directly involved in these cases. Reportedly, some legislators, some Ministers and some Government officials are also involved. The local Government is not taking appropriate action. That is the grievance of the entire women community of Rajasthan in particular and of the country in general. This is high time that some action is taken.

So, my request is that you should give instructions to the hon. Home Minister to make the position clear and give a detailed statement in the House. I think that will definitely help the whole House to know and understand the situation ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Your leader has already spoken.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The Leader of the Opposition has already spoken on this subject.

श्री चमन लाल गुप्त (ऊधमपुर): मध्य प्रदेश के बारे में आप कुछ नहीं कहेंगे। ... (व्यवधान)

श्री रामनारायण मीणा (कोटा) : राजस्थान की घटना में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक पदाधिकारी शामिल हैं।

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : यह जयपुर से संबंधित मामला है और राज्य सरकार इस मामले में बहुत सचेत है तथा वह कार्यवाही कर रही है। किसी भी अपराधी को राज्य सरकार नहीं छोड़ेगी, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो।

MR. SPEAKER : Please sit down. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : It is not proper. This is not the proper way. Nothing will go on record.

(Interruptions) *

">

श्री गिरधारी लाल भार्गव : राज्य सरकार बराबर कार्यवाही कर रही है। किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा। मैं राज्य सरकार की ओर से आपको आश्वस्त करता हूं कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं बरतेगी।

... (व्यवधान)

राज्य सरकार के मामले को लोक सभा में उठाने का क्या औचित्य है। इसके लिए तो राजस्थान की विधान सभा है।

MR. SPEAKER : Please take your seat.

(Interruptions)*

MR. SPEAKER : Only Shrimati Sumitra Mahajan's speech will go on record.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : I have heard your statement first and the Leader of the Opposition has also spoken on this subject.

श्री रामनारायण मीणा : राजस्थान में एक हरिजन महिला की नाक में नकेल डालकर घुमाया गया, उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी है।

... (व्यवधान)

(Interruptions)*

MR. SPEAKER : Nothing will go on record except Shrimati Sumitra Mahajan's speech.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats.

---

* Not recorded

">

*m0">5

"> ">

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इंदौर) : आप मुझे बोलने क्यों नहीं दे रहे हैं। ... (व्यवधान) हमारे देश में स्त्री को माता के रूप में पूजा जाता है और एक स्त्री के साथ इस तरह की घटना होना, यह बहुत ही संवेदनशील बात है। आज सारे हिंदुस्तान में इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। मध्य प्रदेश में भी जब इस प्रकार की घटना ... (व्यवधान) मैं तो यह कहती हूं कि अगर कोई भी व्यक्ति कहीं भी किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार करता है तो उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए। साथ ही साथ इस प्रकार की मानसिकता को भी बदलने की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश में अगर इस प्रकार की घटनाएं पुलिस की कस्टडी में होती हैं

... (व्यवधान)

पहले मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। जब मध्य प्रदेश का मामला सदन में आया, मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि उस समय मध्य प्रदेश के मंत्री ने बयान दिया कि अगर एक बार बलात्कार हुआ तो दस हजार रुपए दिए जाएंगे और अगर दो बार बलात्कार हुआ तो बीस हजार रुपए दिए जाएंगे। पहले इस मानसिकता को बदला जाए ... (व्यवधान) मेरा इतना ही निवेदन है कि यह स्त्री की इज्जत का सवाल है ... (व्यवधान) आप चुप बैठिए। मैं आप सब को जानती हूं। मैं मध्य प्रदेश का रिकॉर्ड भी जानती हूं

... (व्यवधान)

मैं स्त्री की इज्जत एक माता के रूप में प्रस्तावित करना चाहती हूं। इस मामले में पॉलिटिक्स नहीं आना चाहिए। दोषी लोगों को सजा मिलनी चाहिए। कांग्रेस के साथी ऐसी बात करें तो अच्छा होगा। यहां कोई भी अछूत नहीं है - चाहे कांग्रेस के लोग हों या कोई और हो। महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। ... (व्यवधान) आपको इस बात पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ जो कुछ हुआ, उसको मैं अच्छी तरह से जानती हूं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon'ble Member, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Madam, please take your seat. I have already given time to you.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, please take your seat.

... (व्यवधान)

श्रीमती सुमित्रा महाजन : आप इस मामले को राज्यवार न लें। आप इसको एक स्त्री और माता की इज्जत के रूप में लें तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Madam, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please conclude.

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat first.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. Please take your seat first.

(Interruptions)*

श्रीमती सुमित्रा महाजन : आपको इस मामले में बोलने का कोई हक नहीं है। यह कोई पॉलिटिकल इशू नहीं है। इस देश की महिलाएं बोल्ड हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat. I will come to you later. Please take your seat.

... (व्यवधान)

श्रीमती सुमित्रा महाजन : आप मत बोलो। आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं जा रही है।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Hon. Members, please take your seats.

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : राजस्थान में महिला के साथ दुर्वयवहार हुआ है।

... (व्यवधान)

वहां के विधायक और कई लोग उसमें शामिल हैं।

MR. SPEAKER : Please take your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : No. Please take your seats.

... (Interruptions)

श्री रामदास अठावले (मुम्बई उत्तर-मध्य) : महिला पर अत्याचार हुआ है और यह बहुत गंभीर मामला है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Do you like to say anything from Government side?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Shri Ramdas Athawale, take your seat.

---

* Not recorded

श्री रामदास अठावले : एक महिला पर अन्याय हुआ है

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। यह सही तरीका नहीं है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Nothing will go on record.

(Interruptions)*

">

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष जी, हमारी सरकार महिलाओं पर अत्याचार, अपमान जैसे अपराधों को क्रूर अपराध मानती है। दोषियों को सख्त सज़ा मिलनी चाहिए यह हमारी मान्यता है। हालांकि ये मामले राज्य सरकारों के अधीन हैं, फिर भी चूंकि महिलाओं के खिलाफ़ अपमान और अपराध का मामला है, इसलिए मैं माननीय गृह मंत्री तक आपकी भावनाओं को पहुंचाकर निवेदन करूंगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के जो मामले हुए हैं, इनकी वस्तुस्थिति क्या है यह सदन में बताएं।

....(व्यवधान)

MR. SPEAKER : No. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Now we will take up Discussion under Rule 193. Sardar Surjit Singh Barnala to speak.

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (पटियाला) : ज़ीरो अवर एक बजे तक चलने दें। और भी बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Now we are discussing under Rule 193. Sardar Surjit Singh Barnala should continue.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Madam, take your seat.

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : इंडो-पाक बौर्डर पर किसानों का बहुत बड़ा मामला है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Now we are discussing Rule 193. Take your seats. I want Sardar Surjit Singh Barnala to continue.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Please take your seats.

---

* Not recorded

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : पंजाब के बौर्डर पर किसानों का बहुत बड़ा मामला है। वहां कंटीले तार उनकी ज़मीन बांट देते हैं। वह वहां जा नहीं सकते हैं। वह क्या करें ?.....

Interruptions

MR. SPEAKER : Please co-operate.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : Nothing will go on record.

(Interruptions) *

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : सर, जो हिंदुस्तान के सीमांत किसान हैं, जहां पंजाब का बॉर्डर पड़ता है, यह वहां के किसानों का मामला है।

MR. SPEAKER : Please cooperate with me.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Nothing will go on record.

(Interruptions)*

MR. SPEAKER : Please cooperate with me. Hon. Members, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : I am on my legs. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Hon. Members, please understand it.

PROF. PREM SINGH CHANDUMAJRA : Sir, please give me only two minutes.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : First, you take your seat. Now, Shri S.S. Barnala has to proceed with his speech.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप ऐसा मत करिये।

... (व्यवधान)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER : The hon. Minister has already given the reply. Please take your seat.

12.33 hrs. At this stage Smt. Usha Meena and some other Hon. Members came and sat on the floor near the Table

MR. SPEAKER: I request the Members to please go back to their seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Jogi, please ask your Members to go back to their seats.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Please allow me to speak.

MR. SPEAKER: I will allow you to speak, but please ask them to go back.

SHRI RAJESH PILOT : Let me speak first...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please cooperate with me.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : पहले उनको बोलिए कि वे अपने स्थान पर जाएं। उसके बाद मैं आपको अलाऊ करूंगा।

श्री राजेश पायलटः अध्यक्ष जी, आप मेरी बात सुन लीजिए। मैं आपकी समस्या का समाधान कर रहा हूं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Pilot, I will allow you to speak. You please ask them to go back to their seats.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : You have no appreciation for the hon. Members.

MR. SPEAKER: Shri Pilot, you are a senior Member. I will allow you, but please ask them to go back.

SHRI RAJESH PILOT: This is no condition...(Interruptions)

12.39 hrs.

(At this stage Smt. Usha Meena and some other Hon. Members

west back to their seats)

SHRI RAJESH PILOT : May I speak, Sir? Will you allow me?

श्री सत्य पाल जैन (चंडीगढ़): अध्यक्ष महोदय, अगर आप उधर से ऐलाऊ करेंगे तो आपको इधर से भी ऐलाऊ करना पड़ेगा।

... (व्यवधान)

वे एक घंटे से लगातार बोल रहे हैं लेकिन आपने इधर से किसी को बोलने की इजाजत नहीं दी।

... (व्यवधान)

श्री खुराना जी ने बात साफ कर दी है।....(

Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Satya Pal Jain, please take your seat.

... (Interruptions)

श्री सत्य पाल जैन : श्री खुराना जी ने कहा है कि राजस्थान में जो भी घटना हुई है, उसके बारे में वह होम मिनिस्टर को बता देंगे।..(

Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : यह अच्छा नहीं है।

... (व्यवधान)

‘ऊ

*m0">7

‘ऊ">

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, यह सारे सदन की चिन्ता है जैसा श्री मदन लाल खुराना जा ने कहा। हम उस भावना से बिल्कुल जुड़े हुए हैं। सारे देश में अगर हमारी मां-बहनों के साथ ऐसी चीजें होंगी, ऐसे हादसे होते हैं तो सारे सदन की चिन्ता आपके साथ है। यह सरकार की चिन्ता सही है और जो भी सरकार में है उसकी यह चिन्ता होनी चाहिए तभी देश में यह चीजें दूर होंगी।

... (व्यवधान)

आज जो मुद्दा उठाया गया, अध्यक्ष महोदय उस समय आप स्पीकर नहीं थे, यह कोई नई बात नहीं है। आज से एक-डेढ़ साल पहले उसी होस्टल में यह हुआ था और इसी सदन में यह मुद्दा उटाया गया थी। उस समय गृह मंत्री श्री इन्द्रजीत गुप्ता थे। उन्होंने बयान भी दिया था। वह बहुत शर्मनाक घटना थी। उस लड़की के साथ रेप हुआ और उसी के साथ आज दुबारा रेप हुआ और वह भी डराकर हुआ।

... (व्यवधान)

एक नहीं बल्कि हमारी जितनी वूमैन आर्गनाईजेशन्स हैं, उन्होंने लिखकर दिया।[१]

... (व्यवधान)

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : आप उन्हें बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

उसके बाद आप बोलिये।

... (व्यवधान)

श्री बासवराज पाटिल सेडाम (गुलबर्गा): अध्यक्ष महोदय, होम मिनिस्टर उत्तर देंगे, ऐसा कहने के बाद भी

... (व्यवधान)

यह कौन सी नई बात कह रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री राजेश पायलट : आप मेरी बात सुनिये।

... (व्यवधान)

जितनी भी संस्थायें थीं, वे सब राजस्थान में एक साल तक विरोध करती रहीं। एजीटेशन होता रहा लेकिन उसके बाद भी वहां पर घटनायें हुई हैं।

... (व्यवधान)

आज हमारे साथियों ने, हमारी महिला सदस्यों ने श्रीमती ऊषा मीणा और प्रभा ठाकुर ने बातें उठायीं। उसके साथ सरकार का मध्य प्रदेश का जोड़ना, राजनीतिक झलक दिखती है।

... (व्यवधान)

हम सारे देश की चिन्ता देखते हैं।

... (व्यवधान)

श्री सोहन पोटाई (कांकेर) : क्या मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ रेप नहीं होता।

... (व्यवधान)

मध्य प्रदेश में भी रेप होता है।

... (व्यवधान)

जब आप सारे देश की बात करते हो तो उसमें मध्य प्रदेश भी आता है।

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : आप पूरे हिन्दुस्तान की बात कहिये। ... (व्यवधान)

SHRI AJIT JOGI (RAIGARH): Sir, we gave notice about the incident in Rajasthan and they are trying to politicise it... (Interruptions)

श्री राजेश पायलट : आप मध्य प्रदेश की भी चर्चा उठाइये

... (व्यवधान)

अगर मध्य प्रदेश में घटनायें हुई होंगी तो आप उन पर चर्चा कराइये।

... (व्यवधान)

सरकार के खिलाफ

... (व्यवधान)

SHRI E. AHAMED (MANJERI): What is this? Everybody should behave properly... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Rajesh Pilot, please conclude.

SHRI RAJESH PILOT : Yes, Sir, I am concluding... (Interruptions)

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में जो सबसे भारी घटना हुई है, उसके बारे में गृह मंत्री जी पहले बयान दे। बाद में वे सारे देश के बारे में बयान दें। हमें इसमें कोई एतराज नहीं है लेकिन राजस्थान के बारे में वे आज बयान दें कि आप इस पर क्या कर रहे हैं? आप यह वायदा करिये।

... (व्यवधान)

श्री सोहन पोटाई : क्या मध्य प्रदेश में मां-बहनें नहीं होतीं? क्या राजस्थान में ही होती हैं?

... (व्यवधान)

पूरे हिन्दुस्तान में मध्य प्रदेश की भी बात आती है।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि

... (व्यवधान)

श्री सोहन पोटाई : क्या मध्य प्रदेश की महिलाएं अलग होती हैं।

... (व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : क्या आपने नोटिस दिया है?

... (व्यवधान)

हमने राजस्थान के मामले में नोटिस दिया है।

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : सारे हिन्दुस्तान की महिलाओं की बात कर रहे हैं। ... (व्यवधान) आप राजस्थान की बात कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

आप पूरे हिन्दुस्तान की महिलाओं की बात करिये।

... (व्यवधान)

श्रीमती उषा मीणा : क्या राजस्थान की महिलायें हिन्दुस्तान से अलग हैं? ... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे जो निवेदन किया, उसमें कोई राजनीति नहीं है। आज जब मैं इस सदन में आया, जब यह प्रश्न उठाया गया तब मैं उस समय था ही नहीं। उस समय मैं राज्य सभा में था क्योंकि श्री वाजपेयी जी को वहां पर स्टेटमैंट देना था। मैं जब यहां आया तो वहां से वे राजस्थान का इश्यु उठा रहे थे और उधर से मध्य प्रदेश का इश्यु उठा रहे थे।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seats.

...(Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, जब मैं इस हाउस में आया, उस समय श्रीमती सुमित्रा महाजन आपकी परमीशन से इस ईशू को उठा रही थीं।

... (व्यवधान)

मुझे अपनी बात कहने दी जाए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please listen to what he is saying.

... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : मैंने किसी और स्टेट का नाम नहीं लिया है।

... (व्यवधान)

और स्टेटस जहां अत्याचार हो रहे हैं, का नाम भी मैं ले सकता था।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat. The Minister is on his legs.

... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : मैंने यह कहा है कि क्योंकि श्रीमती महाजन उस समय वह ईशू उठा रही थीं

... (व्यवधान)

श्री शरद पवार (बारामती) : महिलाओं के अत्याचार के ईशू पर आप राजनीति लाते हैं। आपको इस बात को समझना चाहिए।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : यह महिलाओं का मामला है, इसलिए मैंने कहा है।

... (व्यवधान)

PROF. A.K. PREMAJAM (BADAGARA): Only Rajasthan issue was raised in the House and not of Madhya Pradesh.... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : आपने पहले उनको ऐलाऊ किया।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: All of you, please take your seats.

श्री शान्तिलाल चपलोत (उदयपुर) : राजस्थान का नाम लिया जा रहा है, मध्य प्रदेश का नाम नहीं लिया जा रहा है।

... (व्यवधान)

मध्य प्रदेश में अत्याचार हो रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The entire country is watching the proceedings of the House, please understand.

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक): आप दोनों तरफ से बोलने के लिए ऐलाऊ कीजिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Mr. Minister, you may continue.

श्री मदन लाल खुरानाः मैं बड़ी नम्रता के साथ कह रहा हूं, मैंने जो कहा है उसे दोहरा रहा हूं। यहां दोनों के बारे में मैंने कहा है। हमारी पार्टी इस तरह के अपराधों को क्रूर अपराध मानती है, दोषियों को दंड मिलना चाहिए

... (व्यवधान)

आप सुन लीजिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please do not interrupt when the hon. Minister is speaking.

श्री मदन लाल खुरानाः मेरी बात तो सुन लें

... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं आपका प्रोटेक्शन चाहता हूं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please try to understand. The hon. Minister is on his legs.

श्री मदन लाल खुरानाः मैंने यह कहा है चूंकि लॉ एंड ऑर्डर का महकमा राज्य सरकार का है, लेकिन मैं आपकी भावनाओं को जो इधर से व्यक्त की गई हैं

... (व्यवधान)

सुन लीजिए।

SHRI RAJESH PILOT : Sir, this is wrong. (Interruptions)

MR. SPEAKER : Shri Rajesh Pilot, please understand. Let him complete first.

श्री मदन लाल खुरानाः मुझे एक मिनट तो दें जिससे मैं अपनी बात पूरी कर सकूं। लॉ एंड ऑर्डर का मामला भले ही राज्य सरकार का है।

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर): यह महिलाओं पर अत्याचार का मामला है ... (व्यवधान)

SHRI TARIQ ANWAR (KATIHAR): Sir, he is misleading the House. (Interruptions)

MR. SPEAKER : You please take your seat. Let him complete.

श्री मदन लाल खुरानाः हालांकि यह लॉ एंड ऑर्डर का मामला राज्य सरकार का है, लेकिन चूंकि यह महिलाओं पर अत्याचार का है इसलिए मैं गृह मंत्री जी से नि वेदन करूंगा कि जो भावनाएं सदन में व्यक्त की गई हैं उसके संदर्भ में वे यहां वक्तव्य दें।

श्री शरद पवार : अध्यक्ष महोदय, श्रीमती मीणा और प्रभा ठाकुर जी ने नोटिस देकर राजस्थान में महिलाओं पर हुए अत्याचार का मामला सदन के सामने रखने की कोशिश की है। आपने उसके लिए इजाजत दी इसलिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। हम इतना ही चाहते थे कि यहां जो राजस्थान की बात कही गई और जो सीरिज आफ एट्रोसिटीज हुई हैं, उस पर जिस ठीक ढंग से वहां की हुकूमत को काम करना चाहिए था, उसने नहीं किया। अलग-अलग दलों के महिला संगठनों ने भी इस मामले को उठाया है। इसलिए हमने कहा कि इस बारे में बयान दिया जाए। जहां तक दलितों पर अत्याचार, हरिजनों पर अत्याचार और महिलाओं पर अत्याचार की बात उठती है तो उसको भारत सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती। उस पर ध्यान देने की जिम्मेदारी भारत सरकार को लेनी चाहिए। इसलिए जो मामला यहां नोटिस देकर उठाया गया है, उस पर सरकार को बयान देना चाहिए।

श्री सत्य पाल जैन : मध्य प्रदेश की बात नहीं कर रहे, उसका क्या हुआ? ... (व्यवधान) वहां आदिवासियों के साथ अत्याचार हुआ

... (व्यवधान)

क्या मध्य प्रदेश की महिलाएं महिलाएं नहीं हैं?

... (व्यवधान)

मध्य प्रदेश में भी जहां-जहां महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं, वहां-वहां जांच होनी चाहिए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: How can you raise a point of order during Zero Hour? Please understand the position. You should know the rules.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The entire country is watching the proceedings of the Parliament. Please cooperate.

... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, मैं फिर आप से कह रहा हूं कि मेरे मन में कोई राजनीति नहीं है।

... (व्यवधान)

महिलाओं पर अत्याचार के बारे में जो सदन की भावनाएं हैं, मैं होम मिनिस्टर से कहूंगा कि वह इस बारे में बयान दें।

...(व्यवधान)

श्री शरद पवार : यहां राजस्थान का नोटिस दिया गया है।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, महिलाओं पर अत्याचार के बारे में सदन की जो भावनाएं हैं,

... (व्यवधान)

श्री शरद पवार : जहां तक मध्य प्रदेश की बात है, महाराष्ट्र की बात है, आप सदन के सामने रखिए, हम इस पर ध्यान देने के लिए तैयार हैं, हम इस पर डिसकशन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन बिना नोटिस दिए

... (व्यवधान)

लेकिन बिना नोटिस दिए आप यहां मध्य प्रदेश की बात कर रहे हैं,

... (व्यवधान)

इसमें आपके बयान में राजनीति की बू आती है, वह हम नहीं चाहते।

... (व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT : We want a statement on Rajasthan. ...(Interruptions) We have raised this issue. We want a statement on Rajasthan. This need not be clubbed with other States. If the Houses wants we can have a discussion under Rule 193 on the situation obtaining in various States. But give a statement on Rajasthan.

श्री मदन लाल खुरानाः स्पीकर के चेम्बर में बैठकर

... (व्यवधान)

स्पीकर से तय करके

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: We have an important business.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

श्री शरद पवार : अध्यक्ष जी, मैं बार-बार कहना चाहता हूं कि नोटिस सिर्फ राजस्थान के लिए है।

... (व्यवधान)

श्री विजय गोयल : नोटिस का सवाल नहीं है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.30 p.m.

12.59 hrs

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till thirty minutes

past Fourteen of the Clock.

14.33 hrs.

Lok Sabha reassemble after Lunch at thirty three minutes

past fourteen of the clock

(MR. SPEAKER IN THE CHAIR)

श्री शरद पवार (बारामती) : अध्यक्ष महोदय, सदन में जो राजस्थान से संबंधित बात उठाई गई है, उसे थोड़ा गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। जहां तक मंत्री महोदय ने कहा कि हम दो राज्यों के बारे में सदन में वक्तव्य लाना चाहते हैं, तो इस बारे में मुझे कोई शिकायत नहीं है। मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि सदन में राजस्थान के बारे में इश्यू रेज़ किया गया था, जिसके बारे में पूर्व में नोटिस दिया गया था। आपसे इजाजत लेने के बाद ही राजस्थान से संबंधित इश्यू को रेज़ किया गया था। यदि अन्य सदस्य मध्य प्रदेश के मामले को रेज करना चाहते हैं या महाराष्ट्र के मामले को रेज करना चाहते हैं या हिमाचल प्रदेश के मामले को रेज करना चाहते हैं, तो वे आपको नोटिस दे सकते हैं और यह उनका अधिकार है। इस बारे में सरकार विचार करके रिपोर्ट सदन के सामने रखेगी, तो हम उसका स्वागत करेंगे। राजस्थान के बारे में नोटिस देने के बाद, दूसरे राज्यों को इस मुद्दे से जोड़ने से हमें राजनीतिक बात दिखाई देती है।

आपके सामने मेरा इतना ही सुझाव है कि यहां राजस्थान के बारे में जो रिपोर्ट देने की बात हमने रखी है, वह स्वीकर होनी चाहिए। जो जे.सी. बोस होस्टल की घटना घटी है, उसकी पुनरावृत्ति हुई है। उसी लड़की के ऊपर दूसरी बार अत्याचार हुआ है। करोली में कैलादेवी, आदिवासी महिला के ऊपर अत्याचार हुआ। उसकी शिकायत में इल्जाम लगा है कि इसमें कोई विधायक शामिल है, कोई पुलिस अधिकारी शामिल है, ऐसा कहते हैं।

महोदय, जो कोटा में १७ साल की लड़की के ऊपर अत्याचार हुआ और बाद में उसका मर्डर भी हुआ, इस प्रकार एक के बाद एक घटना राजस्थान में हो रही है। इस कांड से पूरे देश की महिलाएं संतप्त हैं। इसलिए राजस्थान के बारे में जो इश्यु हमने सदन के सामने रखा है, इसे और किसी इश्यु के साथ जोड़ना नाइंसाफी होगी। मेरा सिर्फ इतना ही सुझाव है कि राजस्थान के बारे में रिपोर्ट दीजिए, बाकी और किसी स्टेट के बारे में कुछ करना हो तो जरूर डिस्कशन कीजिए, उसका हम स्वागत करेंगे। आप डिमांड करिए, नोटिस दीजिए, इस पर जो कुछ तय करेंगे इस बारे में भी मेरी कोई तकरार नहीं होगी, लेकिन राजस्थान के बारे अलग से विचार होना चाहिए।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): यह विषय लिखित रूप में किसी मोशन के अंतर्गत नहीं था। यह जीरोऑवर है

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइए।

श्री मदन लाल खुरानाः मुझे जो मालूम हुआ है, वह यह है कि जीरोऑवर में उठाने के लिए लिखित रूप से सूचना दी जाती है, नोटिस दिया जाता है। जिस समय यह डिस्कशन हो रहा था मैं सदन में नहीं था। मैं जब सदन में आया तो मुझे पता चला। जैसे यह कहते हैं कि आपकी आज्ञा से इस इश्यु को रेज़ किया गया, उसी तरह से सुमित्रा महाजन जी ने इस इश्यु के साथ उसे जोड़ा, जैसे आम तौर से होता है। महिलाओं के ऊपर अत्याचार के बारे में उन्होंने अपनी बात जोड़ी। मैं जब आया तो वह बोल रही थीं। मैंने उस समय अपनी सरकार की स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा और तभी यह सदन भोजनावकाश के लिए स्थगित हो गया।

महोदय, मैंने होम मिनिस्टर साहब से बात कर ली है। आपकी भावना को उन तक पहुंचा दिया है। वे तथ्यों को इकट्ठा कर रहे हैं। राजस्थान के तथ्यों को भी वे यहां रख देंगे। उसके बाद माननीय सदस्य लिखित रूप में कोई मोशन या कुछ और प्रस्ताव उसके ऊपर लाना चाहते हैं तो ये आपके सामने ले आएं और आप उस पर आज्ञा दें तो हमें उसमें क्या एतराज है। मैंने सिर्फ इतना कहा था कि सभी तथ्यों को, सदन की भावना को ग़ृह मंत्री जी तक पहुंचा दूंगा, जो मैंने पहुंचा दिया हैं। ग़ृह मंत्री जी तथ्यों को लाकर आपके सामने रखेंगे, उसके बाद आप बहस करना चाहते हैं या जो कुछ कहना चाहते हैं, जिस समय होम मिनिस्टर साहब आपके सामने होंगे तो आप उस समय बात कर लीजिए।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Let us continue the discussion under Rule 193 regarding the nuclear tests conducted at Pokhran. Shri Barnala may speak now.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats. It is over now.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: It is a matter of Zero Hour. Please take your seats.

... (Interruptions)

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक): खुराना जी ने मान लिया है कि ग़ृह मंत्री जी जवाब देंगे, अब आप सदन का समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं?

... (व्यवधान)

SHRI K. KARUNAKARAN (THIRUVANANTHAPURAM): Sir, I am on a point of order.

MR. SPEAKER: What is your point of order?

... (Interruptions)

SHRI K. KARUNAKARAN : My point of order is under section (2) of Rule 376...(Interruptions)... It involves the Constitution; it involves the functioning of the Government. My point is that a very important issue has been raised here by some Members and at a stretch, when the Leader of the Opposition realised that the situation has gone out of control, then he raised this issue before this House with responsibility.(Interruptions)

Sir, it is a serious issue. ... (Interruptions) Of course, the Prime Minister and the Minister of Home Affairs are not here. ... (Interruptions) He is a responsible member of the Cabinet and the Minister in charge of `Parliamentary Affairs'. He has replied about this. How casual is his reply?

MR. SPEAKER: There is no point of order. Please take your seat. Now, Shri Barnala will speak.

... (Interruptions)

AN HON. MEMBER: If they are going to make a point on a communal basis, what kind of message are they sending? ... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : Sir, we need your protection.

MR. SPEAKER: The Minister of Parliamentary Affairs has already made a note of it. The hon. Minister of Home Affairs is also coming.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: He has already informed the Minister of Home Affairs and he is coming.

... (Interruptions)

श्री विजय गोयल : सर, आपने क्या इन्हें बोलने की अनुमति दी है?

MR. SPEAKER: It is going to be three o'clock.

श्री खारबेल स्वाइन (बालासोर): सर, हमको भी बोलने की अनुमति दीजिए।

... (व्यवधान)

PROF. P.J. KURIEN : It is a very serious matter. Please allow him to complete.

SHRI K. KARUNAKARAN : It is an important issue. ... (Interruptions)

एक माननीय सदस्य: अगर एक राज्य में हुई घटना की चर्चा हो रही है तो दूसरे राज्य में उसी प्रकार की घटना की चर्चा यहां क्यों नहीं हो सकती है।

श्री विजय गोयल : सर, आपने तीन बार बरनाला जी को बोलने की अनुमति दी है, लेकिन उनको बोलने नहीं दिया जा रहा है। माननीय सदस्य इतने सीनियर सांसद होकर पाइंट ऑफ आर्डर कहकर भाषण दिये चले जा रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is your point of order?

SHRI K. KARUNAKARAN : What is the reaction of the Minister of Parliamentary Affairs? ... (Interruptions) I am conveying the feelings of the Members to the Minister of Home Affairs. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: No point of order, please. Please take your seat.

... (Interruptions)

SHRI K. KARUNAKARAN : He would have taken the responsibility of the Government and told us what the Government was going to do. This is very unfortunate. You have to direct the Minister. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: He has already informed the Minister of Home Affairs.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

MR. SPEAKER: This topic is over. Now, there will be discussion under Rule 193. Shri Barnala will continue his speech.

... (Interruptions)

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: Please take your seat. Nothing will go on record.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: Please hear me.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please listen to him.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please understand that the Minister for Parliamentary Affairs has already taken a note of this point.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, आप गृह मंत्री को निर्देश दें कि वह सदन में इस बारे में बयान दें।

श्री मदन लाल खुरानाः मैंने पहले ही सदन के सामने निवेदन किया है

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, यह मेरी बात सुनने को तैयार ही नहीं हैं।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप पहले सुन तो लो।

श्री मदन लाल खुराना : मैंने पहले ही कह दिया है

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat. The hon. Minister for Parliamentary Affairs is replying.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. It is too much. The hon. Minister for Parliamentary Affairs is giving the reply. Please take your seats now.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. You must understand that the hon. Minister of Parliamentary Affairs is replying.

---

* Not recorded

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, the Members are very agitated and thus I would request the hon. Minister for Parliamentary Affairs to inform the hon. Home Minister to make a statement on this ... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : मैंने आपकी भावना गृह मंत्री तक पहुंचा दी है। चूंकि उन्होंने न्यूक्लियर टैस्ट पर बोलना है। वह उसकी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इस बारे में राजस्थान फोन किया है। वह इस घटना के बारे में सूचना मंगा रहे हैं ... (व्यवधान)

डा. शकील अहमद : इस बारे में एक स्टेटमैंट होना चाहिए।

श्री मदन लाल खुराना : वह तथ्यों को एकत्र करके स्टेटमैंट ही देंगे। ... (व्यवधान) मैं भी यही कह रहा हूं। होम मिनिस्टर ने कहा है कि वह तथ्यों को इकट्ठा करके सदन के सामने रखेंगे।

... (व्यवधान)

वह स्टेटमैंट नहीं तो और क्या है? वह अभी हाउस में आएंगे तो उनसे पूछ लेना

... (व्यवधान)

आप पहले मेरी बात सुन तो लीजिए। ... (

Interruptions)

MR. SPEAKER: Now, this topic is over and we would take up discussion under rule 193.

... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : वह अभी आएंगे तो उनसे पूछ लेना।

... (व्यवधान)

डा. शकील अहमद : गृह मंत्री का अभी स्टेटमैंट होना चाहिए।

श्री मदन लाल खुराना : अभी स्टेटमैंट कैसे हो सकता है? आप उन्हें तथ्य तो इक्ट्ठे करने दीजिए।

श्री शरद पवार : यह बता दीजिए कि गृह मंत्री आज स्टेमैंट देंगे, कल देंगे या परसों देंगे।

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : हाउस उठने से पहले बता दिया जाएगा कि वह कब स्टेमैंट देंगे?

SHRI RAJESH PILOT : We agree with what the hon. Minister for Parliamentary Affairs has said. Let the Government get the information ... (Interruptions) Let the hon. Minister say that it would be given tomorrow ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

SHRI RAJESH PILOT : The Government has already given an assurance ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Pilot, the hon. Minister for Parliamentary Affairs has already given an assurance.

... (Interruptions)

श्री मदन लाल खुराना : कभी ऐसा नहीं होता। कहा जा रहा है कि अभी दीजिए, आज ही दीजिए। मैंने आपसे कह दिया है कि आज सदन के उठने से पहले हम बता देंगे कि वह किस समय स्टेमैंट देंगे?

---

* Not recorded